

डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय का दीक्षान्त समारोह सम्पन्न

भारत की महिलायें सशक्त हो रही हैं - राज्यपाल

लखनऊ: 23 जनवरी, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के तेरहवें दीक्षान्त समारोह में पदमश्री श्री ए०एस० किरन कुमार, अध्यक्ष भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को मानद उपाधि देकर सम्मानित किया। समारोह में 34 विद्यार्थियों को पीएच०डी० की डिग्री तथा एम०टेक०, एम०फार्मा०, एम०आर्क०, एम०बी०ए०, एम०सी०ए०, बी०टेक०, बी०फार्मा०, बी०आर्क० आदि की डिग्री प्रदान की गयी। राज्यपाल ने स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक पाने वाले छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया। समारोह में मुख्य अतिथि श्री राजनाथ सिंह केन्द्रीय गृहमंत्री, प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री फरीद महफूज किदवई, प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा श्री मुकुल सिंघल, कुलपति प्रो० विनय पाठक सहित अन्य गणमान्य नागरिक व छात्र-छात्रायें उपस्थित थें। दीक्षान्त समारोह का आयोजन इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में किया गया था।

राज्यपाल ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 62 मेडल में छात्रों को केवल 14 मेडल मिले हैं जबकि छात्राओं को 48 मेडल प्राप्त हुए हैं। छात्रायें 77 प्रतिशत मेडल पा रही हैं और छात्र केवल 23 प्रतिशत पदक प्राप्त कर पाए हैं। छात्राओं का अभिनन्दन करते हुए उन्होंने कहा कि तकनीकी क्षेत्र में भी लड़किया आगे निकल रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत की महिलायें सशक्त हो रही हैं, ऐसा दृश्य आज के दीक्षान्त समारोह में देखने को मिला।

श्री नाईक ने कहा पिछले दीक्षान्त समारोह में और आज के दीक्षान्त समारोह में दो परिवर्तन हुए हैं। पहला विश्वविद्यालय का नाम डॉ० कलाम के नाम पर किया गया है तथा दूसरा यह कि दीक्षान्त समारोह में भारतीय पोशाक का सुंदर ढंग से प्रयोग किया गया है। यह बदलाव का द्योतक है। डॉ० कलाम का नाम विश्वविद्यालय को देने के बाद यह याद रखना चाहिए कि यहाँ काम भी डॉ० कलाम के नाम के अनुरूप हो। हमें उनके जीवन से सीखना चाहिए। उन्होंने डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को आशीर्वाद देते हुए कहा कि आपकी शिक्षा पूर्ण हो गयी है। आकाश में उड़ने की ताकत भी प्राप्त हो गयी है। निराशा से डरे नहीं बल्कि आदर्श नागरिक बनने का गौरव प्राप्त करें।

केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि दीक्षान्त समारोह शिक्षान्त समारोह नहीं है। जीवन मूल्यों और सिद्धांतों के बिना तकनीक का उपयोग समाज के लिए नहीं हो सकता। विज्ञान एवं तकनीक जीवन को सुगम बनाने के लिए उपयोगी है। उनका सकारात्मक उपयोग किया जाना चाहिए। स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि चरित्र से मानव का निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व निर्माण पर देश का निर्माण निर्भर है।

श्री सिंह ने कहा कि प्रकृति के शाश्वत नियम होते हैं जिनकी अवहेलना घातक है। जाति, धर्म, मजहब के आधार पर भेदभाव को नकारते हुए वसुधैव कुटुम्बकम् के संदेश को समझें। सुशासन एवं विकास के लक्ष्य को हासिल करने के लिए टेक्नोलॉजी महत्वपूर्ण है। भारत विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी में किसी से पीछे नहीं है। गूगल एवं माइक्रोसाफ्ट के प्रमुख भारतीय मूल के हैं। उन्होंने कहा विश्व गुरु इसलिए बने ताकि दूसरे लोग आपसे प्रेरित हों।

प्राविधिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री फरीद महफूज किदवई ने कहा कि प्राविधिक शिक्षा रोजगारपरक और उद्योगपरक होनी चाहिए। देश को युवाओं से बहुत उम्मीद है। मुश्किलों से घबरायें नहीं, क्योंकि

मुश्किलें ही रास्ता निकालेंगी। व्यवसायिक शिक्षा महंगी हो रही है। उन्होंने बताया कि सरकार सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी काम कर रही है। श्री किदवई ने दीक्षान्त समारोह की भारतीय वेशभूषा की भी प्रशंसा की।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो० विनय पाठक ने वार्षिक आख्या प्रस्तुत की तथा कुलसचिव श्री के०के० चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

अंजुम/ललित/राजभवन-(24)



